हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, सोमवार, 29 दिसंबर, 2025

तापमान
अधिकतम 19.0 डिग्री
न्यूनतम 6.0 डिग्री

12 अलविदा 2025: वर्ष भर गूंजता रहा पर्यावरण संरक्षण का मुद्दा

12 छुट्टियों के चलते ट्रेनों में बढ़ी वेटिंग, जींद से जम्मू-कटरा और पंजाब...

खबर संक्षेप

मकान से 140 लीटर लाहन बरामद, केस दर्ज

जींद। सीआईए स्टाफ नरवाना ने गांव रसीदां में छापेमारी कर एक मकान से 140 किलोग्राम लाहण बरामद की है। गढ़ी थाना पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। सीआईए स्टाफ नरवाना को सूचना मिली थी कि गांव रसीदां निवासी रमेश अवैध शराब का कोरोबार करता है। वह अपने घर पर कच्ची शराब निकालने की तैयारी कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने रमेश के घर पर छापेमारी कर तलाशी ली तो वहां से 140 लीटर लाहण बरामद हुई। गढ़ी थाना पुलिस ने रमेश के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संदिग्ध हालात में युवती गायब, मामला दर्ज

जींद। गांव धमतान साहिब से युवती के संदिग्ध हालात में गायब होने पर गढ़ी थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव धमतान साहिब निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस उसकी 21 वर्षीय बेटी घर से गायब हो गई। तलाशने तथा पूछताछ करने पर उसकी बेटी का कोई सुराग नही लगा। गढ़ी थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कंपनी में मारा छापा, 12 नकली गैस चूल्हे मिले

जींद। ब्रांडेड कंपनी का लोगो लगा कर गैस चूल्हे बेचने पर शहर थाना नरवाना पुलिस कंपनी नुमायंदे की शिकायत पर दो दुकानदारों के खिलाफ कॉपी राईट एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ब्रांडेड गैस चूल्हा निर्माण कंपनी के नुमाइंदे विशाल पुरी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि नरवाना बाजार में उनकी कंपनी के लोगो लगा कर नकली गैस चूल्हे बेचे जा रहे हैं। जिससे कंपनी को काफी नुकसान हो रहा है। जिसके आधार पर नरवाना के कैनाल रोड स्थित दो दुकानों पर पुलिस के साथ छापेमारी की गई।

1 किलो 450 ग्राम डोडापोस्त सहित आरोपी काबू

कैथल। थाना चीका पुलिस द्वारा एक आरोपी को 1 किलो 450 ग्राम डोडा पोस्त सहित काबू किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की थाना चीका प्रभारी पीएसआई अमन की अगुवाई में एसआई अनिल कुमार की टीम हांसी-बुटाना नहर पुल, थेह बनेडा से भागल रोड पर गश्त एवं नाकाबंदी कर रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम को एक गुप्त सूचना मिली की रामकिशन उर्फ निशान सिंह निवासी डेरा बाजीगर गांव थेह बनेडा अपनी चार पहिया स्कूटी पर डोडा पोस्त बेचने के लिए गांव भागल की ओर आने वाला है।

तापमान लुढ़का, कडाके की ठंड ने किया आमजन को परेशान

एक बार फिर धुंध व कोहरे ने किया जनजीवन को अस्त-व्यस्त

यातायात व्यवस्था हुई प्रभावित, फसलों के लिए धुंध तथा कडाके की ठंड फायदेमंद

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

सर्दी के मौसम में एक बार फिर रविवार सुबह घनी धुंध और कोहरे ने जनजीवन को अस्त व्यस्त कर दिया। सुबह के समय घनी धुंध और कहोरे के चलते यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हुई। हालांकि दोपहर को सूर्य देवता ने दर्शन दिए और धुंध का असर कम हुआ व धूप खिली। जिससे लोगों को राहत मिली। तापमान के लुढकने के चलते दिनभर कंपकंपी छुटती रही।

सूर्य देवता ने दर्शन दिए और धुंध का असर कम हुआ व धूप खिली।

तापमान में गिरावट तथा धुंध को फसलों के लिए फायदेमंद माना जा रहा है। रविवार को अधिकतम तापमान 19 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान छह डिग्री दर्ज किया गया। सुबह के दृश्यता सिमट कर पांच मीटर रह गई। जबकि मौसम में आद्रता 67 प्रतिशत और हवा की गति आठ किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई।

मौसम विभाग के अनुसार ठंड ओर बढेगी साथ ही तापमान में भी गिरावट आएगी। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों का सलाह दी है कि वे फसलों में शाम को हल्की सिंचाई अवश्य करें।

सडकों पर रेंगे वाहन देरी से शुरु हुई दिनचर्या

रविवार को सुबह की शुरूआत घनी धुंध और कोहरे के साथ हुई। सडकों पर वाहनों को एक दूसरे के पीछे लाइट जला कर रेंगते देखा गया। यातायात के साधन देरी से निकले और देरी से ही अपने गंतव्य पर पहुंचे। सड़क किनारे घनी धुंध व कोहरे के बीच छात्रों को भी ठिठुरते देखा गया। लगभग 11 बजे सूर्य देवता ने आसमान से दर्शन दिए तो धुंध छंटना शुरु हुई। जिसके बाद लोगों को ठंड से राहत मिली।

जींद। सुबह के समय छाई धुंध व घनी धुंध के बीच से गुरजते हुए कार।

धुंध तथा ठंड फसलों के लिए फायदेमंद

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार धुंध तथा ठंड फसलों के लिए फायदेमंद है। जिससे फसलों को अच्छी ग्रोथ मिलेगी और फुटाव भी होगा। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को सलाह दी है कि वे तापमान में गिरावट व ठंड को देखते हुए खेतों में शाम को हल्की सिंचाई जरूर करें। इसके अलावा खेतों में खाद का भी प्रयोग करें। पांडू पिंडारा कृषि विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक डा. राजेश ने बताया कि पहाडों में हुई बर्फबारी के कारण तापमान में ओर गिरावट आएगी। जिसके साथ कडाके की ठंड ओर बढ़ेगी।

धुंध के चलते रेलगाड़ियां भी हुई लेट

धुंध के चलते रविवार को ट्रेन नंबर 15910 अवध-आसाम एक्सप्रेस सुबह चार बजकर 25 मिनट की जगह पांच बजकर 27 मिनट पर जींद जंक्शन पहुंची। इसके अलावा ट्रेन नंबर 54036 डीजे सुबह छह बजकर एक मिनट की जगह छह बजकर 47 मिनट, ट्रेन नंबर 14036 धौलाधार एक्सप्रेस छह बजकर 52 मिनट की जगह आठ बजकर 46 मिनट पर जींद पहुंची। ट्रेन नंबर 20424 पाताकोट सुबह आठ बजकर 56 मिनट की जगह दस बजकर 10 मिनट, ट्रेन नंबर 12482 गंगानगर इंटरसिटी एक्सप्रेस 11 बजे की जगह 11 बजकर 59 मिनट, ट्रेन नंबर 54044 हिसार-जींद एक्सप्रेस दोपहर एक बजे की जगह दो बजकर 16 मिनट पर, ट्रेन नंबर 20990 उदयपुर सिटी सुपरफास्ट दोपहर बाद तीन बजकर 18 मिनट की जगह शाम पांच बजकर 26 मिनट, 19803 माता वैष्णो देवी जम्मू कटरा एक्सप्रेस रात एक बजकर 30 मिनट की जगह तीन बजकर आठ मिनट, ट्रेन नंबर 20989 चंडीगढ़ सुपरफास्ट सुबह पांच बजकर आठ मिनट की जगह छह बजकर 35 मिनट, ट्रेन नंबर 20423 पातालकोट एक्सप्रेस छह बजकर सात मिनट की जगह नौ बजकर एक मिनट व ट्रेन नंबर 15743 फरक्का एक्सप्रेस सुबबह आठ बजकर 18 मिनट की जगह दोपहर लगभग दो बजे जींद जंक्शन पर पहुंची।

ठंड से बचाव के लिए जिलावासी बरतें विशेष सावधानी

■ जिला प्रशासन द्वारा जारी एडवाइजरी की करें पालना : डीसी

डीसी अपराजिता

कैथल। डीसी अपराजिता ने बढ़ती ठंड के चलते शीत-घात से बचाव को लेकर जिला प्रशासन ने सरकार के निर्देशानुसार विशेष एडवाइजरी जारी की है। डीसी ने आम नागरिकों से शीतलहर व सर्दी से बचाव के लिए विशेष सावधानी बरतने की अपील भी की है। इन दिनों जिले में शीतलहर चल रही है। इसी के मद्देनजर हम सावधानी बरतकर शीत घात से बच सकते हैं। ठंड एवं शीतलहर से बचाव के लिए इन बातों की पालना जरूर करें। उन्होंने कहा कि शीत-घात से बचने के लिए मौसम पूर्वानुमान के लिए रेडियो/टीवी/समाचार पत्रों से मौसम संबंधित जानकारी लेते रहे। फ्लू, नॉक बहना/ भरी नाक या नाक बंद जैसी विभिन्न बीमारियों की संभावना आमतौर पर ठंड में लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण होती हैं। इसलिए स्थानीय स्वास्थ्य कर्मियों या डॉक्टर से परामर्श करें।

यातायात नियमों की पालना करें वाहन चालक: एसपी

एसपी कुलदीप सिंह ने वाहन चालकों से अतिरिक्त सावधानी बरतने, यातायात के नियमों पर पूरी तरह से ध्यान रखकर वाहन चलाने की हिदायत देते हुए कहा कि मौसम में बदलाव के चलते अक्सर सड़क हादसे हो जाते है। अगर वाहन चालक थोड़ी सी भी सावधानी बरतें तो कोहरे में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लग सकती है। हर व्यक्ति को वाहन चलाते समय सीट बैल्ट, हैल्मेट अवश्य लगाना चाहिए।

जींद। मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाने आए परिजन। *फोटो: हरिभूमि*

दोस्त के घर संदिग्ध हालात में मृत मिला युवक, हत्या का मामला दर्ज

■ 26 दिसंबर को घर से निकला था मृतक, अगले दिन शाम को मिला मृत

■ पुलिस ने मृतक के बिसरे को जांच के लिए भेजा लैबोरेट्री, जांच जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

गांव हथवाला में दोस्त के घर मिलने गए युवक की संदिग्ध हालात में मौत होने से हडकंप मच गया। जुलाना थाना पुलिस ने मृतक की बहन की शिकायत पर आरोपित दोस्त के खिलाफ हत्या समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने मृतक के बिसरे को जांच के लिए लैबोरेट्री भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव हथवाला निवासी विनोद (22) गत 26 दिबसर को गांव मे ही अपने दोस्त साहिल से मिलने उसके घर गया था। जिसके बाद वह घर वापस नही लौटा। परिजनों ने तलाश शुरू की तो देर शाम को विनोद अपने दोस्त साहिल के घर बैंड पर मृत पड़ा हुआ था। शरीर पर चोट वगैरहा का निशान भी नही दिखाई दे रहा था। घटना की सूचना पाकर डीएसपी संदीप सिंह, जुलाना थाना प्रभारी विक्रम पुलिसबल के साथ मौके पर पहुंच गए और हालातों का जायजा लेकर शव को नागरिक अस्पताल पहुंचाया। मृतक की बहन ज्योति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके पिता की काफी समय पहले मौत हो है। विनोद परिवार का इकलौता चिराग था। जिसकी गांव के साहिल के साथ दोस्ती रही है। गत 26 दिसंबर को सुबह विनोद घर से चला गया। रातभर वह घर वापस नही लौटा। शाम तक घर वापस न लौटने पर वे विनोद को तलाशते हुए साहिल के घर गए तो उसका भाई बैड पर मृत पड़ा हुआ था। ज्योति ने आरोप लगाया कि साहिल ने ही उसके भाई की हत्या की है। आरोपित के खिलाफ पहले भी अपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोपित अपने परिवार से अलग मकान में रहता है। जुलाना थाना पुलिस ज्योति की शिकायत पर साहिल के खिलाफ हत्या समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जांच जारी

जुलाना थाना प्रभारी विक्रम जोसन ने बताया कि मृतक की बहन ने आरोप लगाते हुए शिकायत दी है। फिलहाल मामला दर्ज कर लिया गया है। बिसरे को जांच के लिए लैबोरट्री भेजा गया है। मामले की जांच की जा रही है।

कश्मीरी युवक से दुर्व्यवहार बना मुद्दा

■ पुलिस मामले की जांच में जुटी

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

कलायत खंड के गांव बात्ता में कश्मीर के गर्म शाल बेचने वाले युवक के साथ दुव्र्यवहार से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया प्लेट फार्म पर चलती हुई राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का बिंदु बन गई है। हेट स्पीच के साथ-साथ बेहद दुव्र्यवहार को प्रदर्शित करती वीडियो पर खुद संज्ञान लेते हुए कलायत पुलिस ने देशभक्ति के नाम पर धार्मिक उत्पीडऩ सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। घटना कलायत उप मंडल के गांव बात्ता की है। वीडियो में गांव में फेरी लगा रहे एक कश्मीरी शाल विक्रता युवक के साथ अज्ञात द्वारा वंदे मातरम ने बोले जाने पर दुव्र्यवहार व अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया जा रहा है। इस पर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए मामला दर्ज किया है। वीडियो में जबरन धार्मिक नारे लगवाने का प्रयास स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। इसमें कश्मीरी युवक पर वंदे मातरम्‍ बोलने का दबाव बनाया जा रहा है। युवक के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए उसे धमकाते हुए कहा जा रहा है कि यहां से भाग जा नहीं तो जला दूंगा। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की पुत्री इल्तिजा मुफ्ती द्वारा पोस्ट करने से यह विषय देशव्यापी चर्चा का केंद्र बन गया।

कैथल। गांव बाता में फेरी लगा रहा कश्मीरी युवक। *फोटो: हरिभूमि*

आरोपी की तलाश जारी: डीएसपी

कलायत डीएसपी ललीत कुमार ने बताया कि सार्वजनिक रूप से तेजी से वायरल हो रही वीडियो पर पुलिस ने खुद संज्ञान लेते हुए अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया है। भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत कार्यवाही करते हुए पुलिस घटना की तह तक जांच में लगी है। क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने को पुलिस सजग है।

बिजली बोर्ड में २२ लाख से अधिक के गबन का खुलासा

■ जांच में बढ़ सकती है राशि

हरिभूमि न्यूज ⏭सीवन

सीवन बिजली बोर्ड में हुए गबन के मामले ने तूल पकड़ लिया है। मामले की जांच का दौर लगातार जारी है और प्रारंभिक जांच में लगभग 22 लाख रुपये से अधिक की राशि के गबन का खुलासा हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी, गबन की राशि और अधिक बढ़ने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। बिजली बोर्ड के एसडीओ आशीष गौतम की शिकायत पर थाना सीवन में मामला दर्ज कर लिया गया है। इस मामले में बिजली निगम में कार्यरत दो कर्मचारियों सीए और कंप्यूटर आपरेटर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। उल्लेखनीय है कि शुरुआत में यह गबन का मामला करीब 5 लाख रुपये का प्रतीत हो रहा था, जिसकी प्राथमिक स्तर पर पुष्टि भी हुई थी। लेकिन जब जिला स्तर की जांच टीम ने रिकॉर्ड को गहराई से खंगाला तो गबन की राशि बढ़कर 22 लाख रुपये से अधिक सामने आई। एसडीओ आशीष गौतम ने बताया कि फिलहाल जांच केवल जिला स्तर पर की गई है, जिसमें 22 लाख रुपये से अधिक का घोटाला उजागर हुआ है। उन्होंने कहा कि इसके बाद उच्च अधिकारियों द्वारा मामले की विस्तृत जांच कराई जाएगी और पूरा ऑडिट किया जाएगा। इस ऑडिट के दौरान पिछले 10 से 15 वर्षों के रिकॉर्ड की गहनता से जांच की जाएगी, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह गबन कितने समय से और किस तरीके से किया जा रहा था। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच में जो भी कर्मचारी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी और गबन की गई पूरी राशि की रिकवरी भी की जाएगी। बता दें कि बिजली चोरी के मामलों में जब बिजली विभाग की टीम उपभोक्ताओं को पकड़ती थी, उस दौरान उनसे जुर्माने की राशि वसूली जाती थी। आरोप है कि कुछ कर्मचारियों द्वारा यह जुर्माना राशि विभाग में जमा न कर अपनी जेब में डाल ली गई। कई मामलों में फर्जी एंट्री कर रिकॉर्ड में हेराफेरी की गई, जबकि कुछ मामलों में तो वसूली की गई राशि की रसीद तक जारी नहीं की गई। बताया जा रहा है कि यह खेल काफी लंबे समय से चल रहा था, जो अब जांच के दायरे में आ गया है। बिजली बोर्ड में सामने आए इस बड़े गबन के खुलासे से विभागीय कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। अब सभी की निगाहें उच्च स्तरीय जांच और ऑडिट पर टिकी हैं, जिससे पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सके।

जांच चलेगी लंबी: पारस कुमार

थाना सीवन के प्रभारी पारस कुमार ने बताया कि इस मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि यह जांच लंबी चलेगी, जिसमें संबंधित कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही आगे की कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

पूरे सप्ताह बढ़े कपास के दाम

■ 7710 रुपये प्रति क्विंटल सीजन का सबसे अधिक रहा भाव

हरिभूमि न्यूज ⏭उचाना

कुछ दिनों से कपास के भाव में हर रोज इजाफा हो रहा है। कपास के भाव शनिवार को सीजन के सबसे अधिक भाव पर पहुंचे। कपास की आवक भी कुछ दिनों से बढ़ रही है। बीते सोमवार को कपास के भाव सबसे अधिक भाव 7470 रुपये प्रति क्विंटल तक रहे तो शनिवार को 7710 रुपये प्रति क्विंटल तक भाव रहे। पूरे सप्ताह 240 रुपये प्रति क्विंटल भाव में इजाफा रहा। अब तक 47921 क्विंटल कपास मंडी में आ चुकी है तो बीते साल इन दिनों 45435 क्विंटल कपास मंडी पहुंची थी। इस बार 2486 क्विंटल कपास मंडी में अधिक आई है। किसानों को भाव बढऩे की जो उम्मीद थी वो अब पूरी हो रही है। किसान रामफल, सूरजभान, राजबीर ने कहा कि बीते सप्ताह कपास के भाव हर रोज बढ़े है। कपास की फसल में कई सालों से आ रही बीमारी के चलते कपास की बिजाई किसान कम कर रहे है। कपास की आवक प्रति एकड़ इस बार कम है। कपास के भाव बढऩे से किसानों को आर्थिक रूप से फायदा होगा। कपास के भाव अब बढऩे शुरू हुए है। जिस तरह से भाव बढ़ रहे है उससे लगता है कि आठ हजार पार जल्द भाव पहुंच जाएंगे। मार्केट कमेटी सचिव योगेश गुप्ता ने बताया कि कपास के भाव कुछ दिनों से बढ़ रहे हैं तो आवक बीते साल से अधिक अब तक हो चुकी है।

उचाना। प्राइवेट परचेजर कपास की खरीद बोली पर करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

इस प्रकार रहे भाव

दिन	भाव
सोमवार	7470 रुपये प्रति क्विंटल
मंगलवार	7490 रुपये प्रति क्विंटल
बुधवार	7555 रुपये प्रति क्विंटल
गुरूवार	7590 रुपये प्रति क्विंटल
शुक्रवार	7650 रुपये प्रति क्विंटल
शनिवार	7710 रुपये प्रति क्विंटल

नोट : ये भाव उच्च क्वालिटी की कपास के सबसे अधिक है।

दिशा-निर्देश जिले हांसी के नागरिक अस्पताल में एमआरआई, सीटी स्कैन, डायलसिस के लिए मांगे प्रपोजल

स्वास्थ्य संस्थानों में कुत्ते के काटने के मामलों को लेकर नियुक्त होंगे नोडल अधिकारी

अस्पतालों में नहीं होनी चाहिए दवाइयों की कमी : सीएमओ डा. सुमन

■ हर संस्थान की चाहरदीवारी होगी मजबूत, हर प्रकार की रखी जाएगी रिपोर्ट

कुलदीप सिंह ⏭जींद

सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में कुत्ते के काटने के बढ़ते मामलों को रोकने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस कदम के तहत अब प्रदेश के सभी नागरिक अस्पतालों, पीएचसी (प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों) और सीएचसी (सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों) में कुत्तों के काटने के मामलों की निगरानी के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। स्वास्थ्य सेवाएं महानिदेशक डा. मनीष बंसल ने प्रदेशभर के सभी जिलों के सिविल सर्जनों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुसार किसी भी स्वास्थ्य संस्थान में कुत्तों का प्रवेश नहीं होना चाहिए।

नागरिक अस्पताल की सीएमओ डा. सुमन कोहली।

अस्पतालों की सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश

हर सरकारी स्वास्थ्य संस्थान की चहारदीवारी को मजबूत बनाया जाएगा। परिसर में कुत्तों के प्रवेश को पूरी तरह रोकने के लिए फेंसिंग और अन्य उपाय किए जाएंगे। यह कदम सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्देशों से प्रेरित है। जिसमें स्कूलों, अस्पतालों, बस स्टैंडों और अन्य सार्वजनिक स्थानों से खुले में घूमने वाले कुत्तों को हटाने और मजबूत बाड़ लगाने का आदेश दिया गया था। इसके अलावा स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए सभी प्रकार की सुविधाएं अस्पतालों में होंगी।

हांसी में नई सुविधाएं मिलेंगी जल्द

नए बने हांसी जिले के नागरिक अस्पताल में आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने के लिए प्रपोजल मांगे गए हैं। इन प्रप्रोजलों में चार प्रपोजल मुख्यतः शामिल हैं। जल्द ही यह सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। हांसी के नागरिक अस्पताल में एसएनसीयू, एमसीएच यूनिट, ब्लड बैंक, डीइआईसी के लिए प्रपोजल मांगे गए हैं। वहीं झज्जर के जिला नागरिक अस्पताल में सीटी स्कैन तथा एमआरआई की सुविधा उपलब्ध करवाने के निर्देश सिविल सर्जन को जारी किए गए हैं।

ये हो सुविधाएं

- ⏭एमआरआई (एमआरआई)
- ⏭सीटी स्कैन (सिटी स्कैन)
- ⏭डायलिसिस (डायलसिस)
- ⏭डी एडिक्शन सेंटर

नौ जनवरी तक डाटा ऑनलाइन करना होगा

प्रदेश के सभी स्वास्थ्य कर्मचारियों का मॉडल ऑनलाइन ट्रांसफर पालिसी के लिए नौ जनवरी तक डाटा आनलाइन करना होगा। नागरिक अस्पताल हांसी को अपग्रेड किया जाएगा। इसके लिए विशेषज्ञों, पेरामेडिकल स्टाफ, नर्सिंग कैडर के जो भी पद खाली हैं, सभी की सूची मांगी गई है ताकि उनको जल्द से जल्द भरा जा सके।

खोड़िया नृत्य की परंपरा

हरियाणा में विवाह के समय खोरिया (खोड़िया) एक प्रसिद्ध और मनोरंजक परंपरा है, जो दूल्हे की बारात जाने के बाद घर पर महिलाओं द्वारा निभाई जाती है; इसमें वे मंगल गीत गाती हैं, हंसी-मजाक करती हैं और विवाह के दृश्यों का नाटकीय अभिनय करती हैं। इसमें दूल्हा-दुल्हन और अन्य किरदारों की नकल की जाती है, जिससे उनका मनोरंजन होता है और घर की सुरक्षा भी होती है, साथ ही नवविवाहित जोड़े के सकुशल लौटने की कामना की जाती है।

हरियाणवी लोकगीतों में विवाह संस्कार

हरियाणवी लोकगीत केवल गाए नहीं जाते, वे जिए जाते हैं। इनमें समाज की संरचना है, रिश्तों की मर्यादा है, नारी के अनुभव हैं और जीवन का यथार्थ भी। आज भले ही आधुनिकता की आंधी में डीजे और फिल्मी गीत शादियों का हिस्सा बनते जा रहे हों, लेकिन जब आँगन में कोई बुज़ुर्ग धीमे स्वर में गुनगुनाती है-"बन्नी चली परदेस, छोड़ आई बाबुल का देस.."तो लगता है कि हरियाणा की आत्मा अब भी इन्हीं लोकगीतों में सांस ले रही है। विवाह लोकगीत वास्तव में संस्कृति की वह धरोहर हैं, जो बदलते समाज को उसकी जड़ों से जोड़े रखते हैं।

संस्कृति

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणा की गौरवशाली संस्कृति में लोकगीत महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। जहाँ लोकगीत केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि जनमानस के दिल की धड़कन अनुभव होते हैं। हरियाणवी लोकगीतों की परंपरा अत्यंत प्राचीन और समृद्ध है, जिसमें विविधता का असीम सागर लहराता है। यहाँ ऋतुओं के बदलने पर 'सावण के गीत' और 'तीज के मल्हार' गाए जाते हैं, तो खेतों में काम करते समय 'जकड़ी' और 'रागिनियों' के स्वर गूंजते हैं। वीर रस से भरे 'आल्हा' जहाँ भुजाओं में बल भरते हैं, वहीं भक्ति रस से सराबोर 'भजन' आत्मिक शांति देते हैं।

हरियाणवी लोकगीतों में अद्भुत विविधता प्राप्त होती है और जीवन के सभी संस्कारों पर गीत गाए जाते हैं, फिर चाहे जन्म हो अथवा मृत्यु है। संस्कारों में अत्यधिक महत्वपूर्ण विवाह संस्कार पर तो इनकी परंपरा बहुत प्रभावित करती है। इस विशाल परंपरा में 'विवाह के गीत' संस्कारों की नींव को मज़बूत करते हैं।

विवाह के संस्कार की शुरुआत सगाई से होती है। जैसे ही रिश्ता तय होता है, घर के आँगन में खुशी की लहर दिखाई देती है। विवाह की रस्में बान और तेल से शुरू होती हैं। हरियाणवी परंपरा में बान 5, 7 या 9 दिन पहले बैठाए जाते हैं। यानी दूल्हा या दुल्हन को शादी वाले दिन तक रोज़ाना हल्दी-तेल (बटना) लगाया जाता है और नहलाया जाता है। इसे ही 'बान फिरना' कहते हैं। इस समय महिलाएं 'तेलन' को संबोधित करते हुए गाती हैं:

"तारो ए तेलन तेल, म्हारे बन्ने कै चढ़ेगा तेल,
हरया-हरया गोबर मंगाओ, आंगण लिपाओ ए...
म्हारा बन्ना बैठैगा ए, बिछाओ रंगीले खेल,
सोने की कटोरी में, तारो ए तेलन तेल।"

इसके बाद जब दूल्हे या दुल्हन को पटड़े (चौकी) पर नहलाया जाता है, तो दादी और ताई 'समंदर के पानी' की उपमा देते हुए बड़े लाड़ से गाती हैं:

"तात्ता पाणी ए समंदरां का, पोता/बेटा न्हाइयो ए म्हारे दादा/ताऊ/बाबू का....

अंत में तेल चढ़ाते समय घर की बुज़ुर्ग महिलाएँ शगुन मनाती हैं और नज़र उतारती हैं:

"तेल चढ़ाओ ए बन्नो री दादी, लाड लड़ाओ,
तेल चढ़ाओ ए बन्नो री ताई, शगुन मनाओ
म्हारी बन्नो का रूप सवाया, चाँद सा उजियार,
नज़र न लागे किसी की, राखो जी भरतार"

बान के दिन से ही रात के समय महिला संगीत शुरू हो जाता है, जिसमें बन्ना-बन्नी के सौंदर्य, चतुराई और भविष्य की कल्पनाएँ गीतों में ढलती हैं :

"बन्ना तो हांडे अपने बाबा जी की गलियां
दादी तो फिरै रहसी रहसी रे महल में
सेर मोती बारूं जी बन्ने पै
मोती भी वारूं मैं तो हीरे भी वारूं सेर मोती..."

एक और गीत में बन्नी अपने बन्ने को कहती है:

बन्ना जी मैं तो राज घर सै आई
बन्ना जी तेरे बाबा की ऊंची हवेली
बन्ना जी तेरे बाबल की ऊंची हवेली
बन्ना जी मैं तो चढ़ती चढ़ती आई

इसके बाद विवाह के दिन भात से पहले कुम्हार के घर जाकर 'चाक पूजने' की रस्म बहुत महत्वपूर्ण है। यह रस्म सृजन के प्रतीक 'चाक' (पहिए) के प्रति सम्मान व्यक्त करती है ताकि नए दांपत्य जीवन का पहिया भी निर्बाध चलता रहे। महिलाएं गाती हुई जाती हैं:

"चाक पूजन चाल पड़ी, सुहागन नार,
साथ में सखियाँ गावें, मंगल चार
कुम्हारन ए, दे दे मटकिया का साथ,
तेरे चाक पे बनरी की, सुधरेगी बात"

चाक पूजन के बाद विवाह की यात्रा का सबसे भावुक रिवाज होता है 'भात'। बहन विवाह से पहले अपने भाई को न्योता देती है और गीतों के माध्यम से भात के लिए बुलावा देते हुए कहती है:

'बीरा मेरा मान बढ़ाइयो रे,
मैं न्यौतण आई भात
बीरा तीन मंजली हेली ,
मैं ल्याई रे भात की भेली"

इस परंपरा में वह पल बहुत भावुक करने वाला होता है जब विवाह के दिन भाई भात लेकर आता है और बहन आस-पड़ोस की सभी स्त्रियों संग भात लेते हुए गीतों से भाई का स्वागत करती हुई गाती है:

'मत बरसो इन्द्र राजा जी मेरी मां का जाया भीजै
मेरी मां का जाया भीजै, मेरा सगा भतीजा भीजै
मत बरसो इन्द्र राजा जी, मेरी मां का जाया भीजै''

भात लेने के बाद 'मांढा' बंधन की रस्म होती है और गाया जाता है:

किन्नै यो मांढा पिछवाडिआं
किन्नै यो पूर्या सै चोंक
मांढलड़ा सिरी राम का

इसके बाद जब दूल्हा घोड़ी पर चढ़ता है। बैंड बाजे के साथ बहनें और गाँव की महिलाएँ गाती हैं:

मुबारक सादी हो बनड़े ये घोड़ी नाचती आई
तेरे बाबा हजारी नै बड़ी दूरों से मंगवाई
बनड़े की घोड़ी बिदकै मेरा कलेजा धड़कै
सीस बने के सेहरा, लड़ियां से लाल लटकै
गले बने के तोड़ा, घूण्डी से लाल लटकै
हाथ बने के घड़ियां, कांगणे सै लाल लटकै

फिर दूल्हा बारात लेकर ससुराल पहुंचता है तो स्वागत में 'सीठणे' (मीठी गालियाँ) गाए जाते हैं। यह हरियाणवी लोकगीतों का सबसे रोचक पक्ष है, जहाँ समधियों के रंग-रूप और वेशभूषा पर व्यंग्य किए जाते हैं:

'बाज्या रे नगाड़ा रणजीत का जणू हाक्यम आया
अपणी बेबे न छोड़ के हे म्हारे ब्याहवण आया'
'हमने बुलाए गोरे-गोरे, काले-काले आये रे पसेरे,
हमने बुलाए लंबे-लंबे, ओछे-ओछे आये रे पसेरे '

'फेरे' विवाह के पावन बंधन का सबसे महत्वपूर्ण और पवित्र पड़ाव होता है। जब फेरों के लिए पूजन शुरू होता है तो दुल्हन की सखियां गाती हैं :

दादा देस जांदा परदेस जाइयो म्हारी जोड़ी का बर ढूंडियो
लाडो देस जांदा परदेस जांगा, ढूंडिया सै फूल गुलाब का
ताऊ देस जांदा परदेस जाइयो म्हारी जोड़ी का वर ढूंडियो

अग्नि के सात फेरे लेते समय वधू का अधिकार क्षेत्र बदलता है। हरियाणवी लोकगीतों में हर फेरे के साथ बेटी के 'पराई' होने का दर्द अनुभव किया जा सकता है:

पहला फेरा लीजिए दादा की हे पोती
दूजा फेरा लीजिए ताऊ की हे बेटी
तीजा फेरा लीजिए बाबल की हे बेटी
चौथा फेरा लीजिए काके की हे बेटी
पांचमा फेरा लीजिए मामै की हे भाणजी
छठा फेरा लीजिए नाना की हे दोहती
सातवां फेरा लीजिए लाडो होई पराई

फेरों के बाद 'छन्न' सुनने की रस्म भी होती है जिसमें दूल्हे को छन्न सुनाने के लिए कहा जाता है :

छन्न पक्कियां छन्न पक्कियां, छन्न के ऊपर केसर। सासू मेरी पारवती, सोहरा परमेसर।।

छन्न के बाद विदाई का समय बहुत भावुक करने वाला होता है। बेटी का घर से जाना, बचपन की यादें और माता-पिता का विलाप इन गीतों का मुख्य स्वर होता है। कोयल की उपमा देकर गाया जाने वाला यह गीत अत्यंत मार्मिक है:

"कोयल चालि ए बागां न छोड़ कै,
ए मन्नै कूकर राखोगे मेरी माए...
जिन गलियों में बचपन बीता,
वही गली बिसराई ए,
मात-पिता को छोड़ के बन्नी,
हो गई आज पराई ए"

एक और पारंपरिक विदाई गीत जो मन को छू जाता है:

मेरी बन खंड को कोयल बन खंड छोड़ कहां चली
मेरे ताऊ ने बोले हैं बोल बचन की मारी मैं चली
मेरी बन खंड की कोयल बन खंड छोड़ कहां चली
मेरे बाबुल ने बोले हैं बोल बचन की मारी मैं चाली

दूसरी तरफ बारात के विदा होने के बाद, जब घर सूना हो जाता है, तब 'खोड़िया' का आयोजन होता है। यह स्त्रियों का निजी उत्सव है, जहाँ घूंघट की मर्यादा से परे हटकर वे दूल्हा-दुल्हन बनने का नाटक करती हैं :

"खोड़िया मा खोड़िया, आज म्हारे घर आवे नई बहु,
कोरी-कोरी चांदी का हसला घड़ाया...
आज म्हारे बेटे की सुहाग वाली रात।
दुख भूल कै हँस ले आज, यही है रीति की बात।"

असल में हरियाणवी लोकगीत केवल गाए नहीं जाते, वे जिए जाते हैं। इनमें समाज की संरचना है, रिश्तों की मर्यादा है, नारी के अनुभव हैं और जीवन का यथार्थ भी। आज भले ही आधुनिकता की आंधी में डीजे और फिल्मी गीत शादियों का हिस्सा बनते जा रहे हों, लेकिन जब आँगन में कोई बुज़ुर्ग धीमे स्वर में गुनगुनाती है-"बन्नी चली परदेस, छोड़ आई बाबुल का देस.."तो लगता है कि हरियाणा की आत्मा अब भी इन्हीं लोकगीतों में सांस ले रही है। हरियाणवी विवाह लोकगीत वास्तव में संस्कृति की वह धरोहर हैं, जो समय के साथ बदलते समाज को उसकी जड़ों से जोड़े रखते हैं।

गीत | **राजपाल सिंह गुलिया**

तेरी खेती हरी-भरी

बुरा न मानै तै भैया कुछ, मैं भी कह द्यूँ खरी -खरी ।
बिना सँभाले सूखण लाग्यी , तेरी खेती हरी-भरी ॥

धन दौलत पा कै नै माणस , देख नसे म्हं चूर हुए ।
काणा कहकै दाम माँगते , ये इतणे मगरूर हुए ॥
जरगी सैं इनकी पुश्तैनी , तलवारें भी धरी - धरी ॥

छोरा रोज रात नै आवै, बाहर तैं ए खा पी कै ।
काल्ह कही तै न्यू बोल्या के ,करणा सै हमनै जी कै ।
बहू रोज याह बिना बात बस, बैठी रह सै डरी -डरी ।

खरा कमावै खोटा खावै , याह होग्यी सै रीत हड़ै ।
बाकलियाँ का ब्यौंत देख कै , गावैं सैं सब गीत हड़ै ॥
किसै न मत छेड़ो भाई , बैठी दुनिया भरी - भरी ।

खरी कहणिया माणस सभ नै , भोत घणे लागैं खोटे ।
साँची कह कै बदनामी के, ये बाँधैं रोज भरोटे ॥
लांछन लाग्याँ पाच्छै बोली, लिकड़ै सै याह मरी-मरी।

ग़ज़ल | **रिसाल जांगड़ा**

पड़्या मिरे तै काम नहीं सै।
उसने करया सलाम नहीं है।

बिस्तर तो सै सोन्ने का पर,
दिल नै तो आराम नहीं है।

ठूंठ बणी निरधन की जिंदगी,
सिर पै सुख की छाम नहीं है।

उस माणस नै दू रह्या सूँ,
जिसके सिर इलजाम नहीं है।

इस कलजुग की रामायण म्हं,
रावण तो सै राम नहीं है।

जड़ै छिप्या दिन रैन गुजारी
साधू का घर-गाँम नहीं सै।'

रिसाल' चाँद तै यारी लाकै,
सोया रात तमाम नहीं है।

रागनी | **सत्यवीर नाहड़िया**

बोल्ली या हरयाणी

चाळा करगी-भास्सा बरगी, बोल्ली या हरयाणी।
सभतै न्यारी-बोल्ली म्हारी, सै या भोत पुराणी।।

आन अनूठी-तान अनूठी, इस बोल्ली की न्यारी।
बोल निराळे-तोल निराळे, जाणै दुनिया सारी।
कड़कै भारी-पर सै प्यारी, बोल्ली सिद्धी-स्याणी।
सभतै न्यारी-बोल्ली म्हारी, सै या भोत पुराणी।।

इस म्हैं पाणा-यो हरयाणा, गीत-रागनी न्यारी।
पाड़ैं चाळे-सांग निराळे, भजन-सबद लयकारी।
छप ल्यी सारी-साखी भारी, कबिता कथा-कहाणी।
सभतै न्यारी-बोल्ली म्हारी, सै या भोत पुराणी।।

धूम मचावै-झट छा ज्यावै, जित जा खुलकै बोल्ली।
गुँज्जै न्यारी-बोल्ली म्हारी, बोल्लीबुड नै तोल्ली।
लखमी डोल्ली-इस म्हैं झोल्ली,तकत-तोड़ थी गाणी।
सभतै न्यारी-बोल्ली म्हारी, या सै भोत पुराणी।।

मिट ज्या रास्सा-पलटै पास्सा, अंबर गान चढ़ावै।
सभनै आस्सा-बणकै भास्सा, माट्टी-मान बढ़ावै।
दिन वो आवै-मंगळ गावै, 'नाहड़िया' की बाणी।
सभतै न्यारी-बोल्ली म्हारी, सै या भोत पुराणी।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

जागीर

आयरलैंड वासी जार्ज थॉमस ने वर्ष 1797 में हांसी को अपने नवगठित राज्य हरियाणा की राजधानी बनाया था

ऐतिहासिक नगर हांसी का प्राचीन रुतबा बहाल

इतिहास | **यशपाल गुलिया**

हरियाणा सरकार ने हांसी को एक नया जिला बनाकर इस ऐतिहासिक नगर के गौरवमयी रुतबे को पुनर्जीवित कर दिया है। सदियों पुराने इस ऐतिहासिक नगर का प्राचीन नाम आसिका होता था जो शाही सुलेमान मार्ग पर स्थित था। यहां के ऐतिहासिक किले का निर्माण सम्राट पृथ्वीराज द्वारा किया गया था। इसका समय-समय पर शासकों ने भरपूर उपयोग किया था।

आयरलैंड वासी जार्ज थॉमस द्वारा वर्ष 1797 में हांसी को अपने नवगठित राज्य हरियाणा की राजधानी बना लिया था। प्राचीन किले में उसने सिक्के ढालने के वास्ते टकसाल भी स्थापित की थी, लेकिन चार वर्षों बाद 1801 में एक लम्बे लड़े गए युद्ध के बाद उसको हांसी से प्रस्थान करना पड़ा। फिर अंग्रेजों ने 1809-10 में हांसी में अपनी नई रिसाला छावनी स्थापित की तथा कुछ वर्षों बाद हांसी क्षेत्र कर्नल स्कीनर को जागीर के तौर पर प्रदान किया गया। स्कीनर की मृत्यु के बाद अंग्रेजों ने फिर एक बार हांसी के रुतबे को कम कर दिया था, लेकिन वही हांसी का किला 1857 में अंग्रेजों का महत्वपूर्ण मुख्यालय भी बना। इसमें पंजाब के फिरोजपुर से कोर्टलैन्ड अंग्रेज के नेतृत्व में एक नवगवित सेना हांसी में पहुंच गई तथा हरियाणा क्षेत्र के क्रांतिकारियों को दिल्ली जाने से रोकने में सफल भी रही। दिल्ली स्थित अंग्रेज सेना को कवच प्रदान करने वाली उस सेना को हरियाणा फील्ड फोर्स का नाम दिया गया था जो हांसी के किले में लगभग एक वर्ष तक जमी रही और वहीं से उस सेना ने ओढ़ां, खैरिका व जमालपुर आदि स्थानों पर क्रांतिकारियों से भीषण युद्ध किए थे।

हांसी नगर का ऐतिहासिक बड़सी गेट का दृश्य।

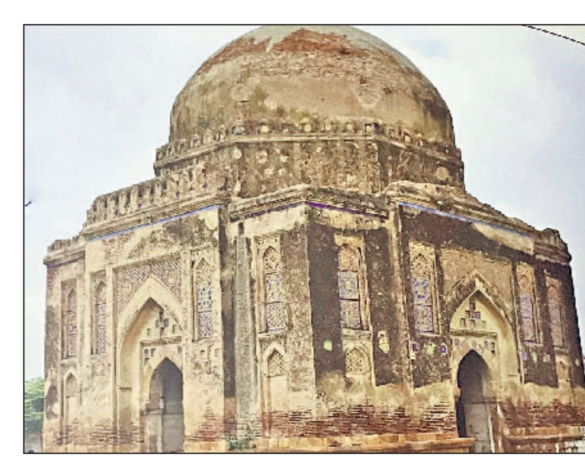

हांसी में स्थित अली तज्जार का मकबरा।

यहां चार कुतुब विराजमान

मुस्लिम समुदाय के विख्यात धार्मिक चार कुतुबों के यहां विराजमान रहने के कारण भी हांसी प्रसिद्ध नगर रहा था। नगर के चारों तरफ खिलजी सुलतान ने वर्ष 1300 के आसपास एक दीवार भी निर्मित करवाई थी जिसमें पांच प्रवेशद्वार थे। उन्हीं में से एक बड़सी गेट पर शिलालेख भी मौजूद है। ऐसे प्राचीन ऐतिहासिक नगर को अब एक जिले का दर्जा देकर मुख्यमन्त्री नायब सैनी ने सराहनीय कार्य किया है। इसी हांसी नगर में अंग्रेजों का ज्यादातर वास्ता रहने के कारण ही हिसार में घोड़ा फार्म स्थापित हुआ था। हांसी नगर में चार कुतुब परिसर के पास अली- तज्जार व लखी बनजारे के विशाल मकबरे स्थित हैं। वहीं पर स्कीनर की दो बेगमों के जुड़वां मकबरे भी बने हुए हैं। इनमें फारसी भाषा में शिलालेख अंकित हैं। यद्यपि ऐतिहासिक किला संरक्षित होने के बावजूद खंडहर बन चुका है, लेकिन जार्ज थॉमस द्वारा निर्मित हौज, बारूद खाना व बाह्य चौकियां आज भी दर्शनीय हैं, जोकि हांसी के प्राचीन इतिहास के साक्षी हैं।

लोकगायन की सशक्त आवाज़ राजबाला बहादुरगढ़

कलाकार | **अंकुर शर्मा**

हरियाणवी लोकगीतों ने वैश्विक स्तर पर अपनी अमिट पहचान बनायी है। इसके लिए अनेक कवियों और कलाकारों का महनीय योगदान रहा है। एक समय जब हरियाणवी रागनी के क्षेत्र में पुरुष गायकों का बोलाबाला था और महिलाओं की उपस्थिति को संदेह और वर्जनाओं की दृष्टि से देखा जाता था, राजबाला ने न केवल माइक थामा, बल्कि अपनी बुलंद और आत्मविश्वासी आवाज़ से पुरुष-प्रधान गायकी के क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। राजबाला का जन्म हरियाणा के सोनीपत जिले के गांव सरथल में हुआ। ठेठ ग्रामीण परिवेश, सीमित संसाधन और साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि में पली-बढ़ी 'बाला' का बचपन खेतों की पगडंडियों, पशुओं की घंटियों और माँ की लोरियों के बीच बीता। औपचारिक शिक्षा भले ही अधिक न हो पाई हो, लेकिन प्रकृति और लोकजीवन ने उन्हें जो शिक्षा दी, वही उनकी असली पाठशाला बनी।

रेडियो पर बजने वाली रागनियां उनके मन में सुरों का पहला बीज बोती थीं। वह काम करते हुए, चारा काटते हुए या चूल्हे के पास बैठी-बैठी उन धुनों को गुनगुनाती रहतीं। पर उस दौर में बेटियों का ऊंचे स्वर में बोलना भी मर्यादा के विरुद्ध माना जाता था, मंच पर गाना तो दूर की बात थी। फिर भी उनके भीतर कहीं यह विश्वास पल रहा था कि सुरों से जुड़ा यह

रिश्ता एक दिन उन्हें उनकी मंज़िल तक पहुंचाएगा। विवाह के बाद 'बाला' बहादुरगढ़ आकर बस गयी। सामान्यतः यह वह मोड़ होता है जहां अधिकांश बेटियों के सपने घरेलू जिम्मेदारियों में दबकर रह जाते हैं, पर उनके लिए यह नया जीवन एक नई कर्मभूमि बना। राजबाला बताती हैं कि पति रणबीर सिंह के सहयोग के प्रति कृतज्ञता जताने के लिए उन्होंने अपना नाम 'बाला' से राजबाला कर लिया, वहीं बहादुरगढ़ से उनके नाम के साथ 'बहादुरगढ़' जुड़ा और धीरे-धीरे वही उनकी पहचान बन गया। 2004 के आसपास उन्होंने मंचों पर कदम रखा। उस समय रागनी मंचों पर पुरुष गायकों का ही बोलबाला था। पंडित लख्मीचंद और मेहर सिंह की परंपरा को आगे बढ़ाने वाले दिग्गज कलाकारों के बीच एक घूंघट में खड़ी महिला का गाना समाज के लिए किसी आश्चर्य से कम नहीं था। राजबाला स्वयं कहती हैं "शुरुआत में बहुत ताने सुनने पड़े। लोग कहते थे कि बहू होकर मंच पर गाना शोभा नहीं देता लेकिन मेरे पति और परिवार ने मुझ पर विश्वास किया। उसी विश्वास ने मुझे समाज के डर से ऊपर उठना सिखाया।" यह समर्थन उनके संघर्ष की सबसे बड़ी ताकत बना। घर, बच्चे और जिम्मेदारियों के साथ-साथ उन्होंने सुरों की साधना जारी रखी और हर मंच पर खुद को बेहतर साबित करती चली गईं।

वर्तमान हरियाणा सरकार द्वारा संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए उन्हें बहादुरगढ़ नगर परिषद् के लिए पार्षद मनोनीत किया गया है। प्रसिद्ध फल्गु लोककला महोत्सव में प्रस्तुति को राजबाला अपनी उपलब्धि मानती हैं। देश की सैकड़ों सांस्कृतिक संस्थाएं उन्हें सांस्कृतिक योगदान के लिए सम्मानित कर चुकी हैं। लोकप्रियता के शिखर पर पहुंचने के बावजूद राजबाला की सादगी आज भी वैसी ही है। न दिखावा, न अहंकार- बस अपनी माटी से जुड़ा एक सरल व्यक्तित्व। वह मानती हैं कि रागनी केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि लोकजीवन का आईना है, जिसमें समाज अपनी अच्छाइयों और कमज़ोरियों को देख सकता है। वास्तव में राजबाला बहादुरगढ़ केवल एक लोकगायिका ही नहीं, बल्कि हरियाणा की सांस्कृतिक चेतना की जीवंत प्रतीक हैं, जिनका लोकगायकी का यह सफर बताता है कि सच्ची प्रतिभा संसाधनों की नहीं, समर्पण और संघर्ष की मोहताज होती।

किस्सा गायकी की पहचान

हिसार के सुशीला भवन में भगत सिंह जयंती पर दी गई पहली प्रस्तुति से शुरू हुआ यह सफर देखते ही देखते प्रदेश भर के मंचों तक जा पहुंचा। राजबाला की गायकी की सबसे बड़ी विशेषता उनकी 'किस्सा परंपरा' है। राजा नल-दमयंती, सत्यवान-सावित्री, हरिश्चंद्र और महाभारत जैसे प्रसंगों को जब वह रागनी में ढालती हैं, तो श्रोता केवल सुनते नहीं, उस कथा में जीने लगते हैं। वे बताती हैं कि 'लोकसंगीत की आत्मा शालीनता में बसती है, फूहड़ता में नहीं। उनका प्रयास गायकी में करुणा, वीर रस, भक्ति और प्रेम समाहित करने का रहता है।' लोकगायकी से मिला सम्मान और पहचान राजबाला विभिन्न टीवी चैनल्स और आकाशवाणी के अनेक केन्द्रों से रागनी की प्रस्तुति देने के साथ-साथ देशभर में लगभग 2500 सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी प्रस्तुति दे चुकी हैं।

खबर संक्षेप

शहीदी दिवस पर किछाना कुई पर लगाया भंडारा

राजौंद। राजौंद-कैथल मार्ग पर स्थित किछाना कुई पर शहीदी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी और उनके बलिदान को याद किया। इस अवसर पर सुनील कुमार, गुरुदेव, किताब सिंह, बलवान सिंह, बलजीत सिंह,वकील, मियां सिंह, कुलदीप मास्टर, नफा सिंह, लक्ष्मी सिंह ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि शहीदी दिवस का आयोजन करने पर हमें शहीदों के बलिदान को याद करने और उनके सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करता है। इस दौरान चाय पकौड़े का भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान सेवादारों ने कैथल असंध मार्ग से गुजरने वाले प्रत्येक वाहन को रोककर चाय, ब्रेड, पकोड़े और बिस्कुट वितरित किए।

निराश्रित बच्चों को दी जा रही वित्तीय सहायताः डीसी

कैथल। डीसी अपराजिता ने बताया कि सामाजिक न्याय एवं सहकारिता विभाग द्वारा निराश्रित बच्चों को हर माह 2100 रुपये प्रति बच्चा (अधिकतम दो बच्चे) पेंशन प्रदान की जा रही है। इस स्कीम में 0 से 21 वर्ष तक की आयु के बच्चें, जो पिता की मृत्यु होने पर सहायता एवं देखभाल से वंचित रह जाते हैं। इसके अलावा पिता के घर से पिछले 2 वर्ष की अवधि से अनुपस्थित होने पर, माता-पिता की लंबी सजा होने के कारण या मानसिक व शारीरिक अक्षमता आदि होने पर निराश्रित हो जाते हैं।

ओएसडीएवी स्कूल में मनाया बाल वीर दिवस

कैथल। ओएसडीएवी पब्लिक स्कूल में बाल वीर दिवस छोटे-छोटे बच्चों द्वारा अत्यंत श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को गुरु गोविंद सिंह जी के चारों साहिबजादों की शहादत से अवगत कराने हेतु कहानी-वाचन एवं नाटक मंचन प्रस्तुत किया गया, जिसने उपस्थित सभी दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में प्रतिभागी विद्यार्थियों ने साहिबजादों की शहादत से जुड़े घटनाक्रम को अत्यंत सजीव और प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत किया।

फसलों की खेती के लिए अनुदान दे रही सरकार

कैथल। डीसी अपराजिता ने कहा कि किसानों को बागवानी फसलों की खेती के लिए प्रेरित करने के लिए हरियाणा सरकार नए प्रावधान कर रही है। इसके लिए किसानों को बागवानी, फलों, सब्जियों फूलों और मसालों आदि की खेती के लिए सरकार द्वारा एक लाख 40 हजार रुपये तक अनुदान प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बागवानी खेती में फलों के नए बाग लगाना, सब्जियों की खेती एकीकृत मॉडल के साथ करना, फलों की खेती, मसालों की खेती तथा खुशबूदार पौधों की खेती करना जैसे मद शामिल हैं।

प्रदूषण विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

मानव अधिकार आयोग और विस में गूंजा खुशहाल माजरा प्रदूषण मामला

कैथल के क्षेत्रीय अधिकारी बदले, प्रवीण कुमार को सौंपा गया अतिरिक्त कार्यभार

राजपाल जिंदल ▶▶| गुहला-चीका

खुशहाल माजरा गांव में राइस मिलों से फैल रहे गंभीर प्रदूषण, दूषित पेयजल और श्रमिकों की सुरक्षा से जुड़े सवाल अब केवल गांव या जिला स्तर तक सीमित नहीं रहे। इस मामले को जहां मानव अधिकार आयोग ने मानव स्वास्थ्य और स्वच्छ पर्यावरण के मौलिक अधिकार से जोड़ते हुए गंभीरता से संज्ञान में लिया है, वहीं गुहला विधानसभा क्षेत्र के विधायक देवेंद्र हंस ने भी इसे हरियाणा विधानसभा में उठाकर सरकार का ध्यान आकर्षित किया। इसी पृष्ठभूमि में हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने विभागीय स्तर पर बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। शुक्रवार को जारी आदेशों के अनुसार कैथल सहित कई जिलों के क्षेत्रीय अधिकारियों के कार्यभार में बदलाव किया गया है।

अगली सुनवाई 19 मार्च 2026 को मानव अधिकार आयोग में

उल्लेखनीय है कि खुशहाल माजरा गांव में राइस मिलों द्वारा कथित रूप से जल और वायु प्रदूषण फैलाने, अवैध रिचार्ज बोर के माध्यम से दूषित पानी जमीन में प्रवाहित करने और श्रमिक सुरक्षा मानकों के उल्लंघन को लेकर मामला मानव अधिकार आयोग के समक्ष विचाराधीन है। आयोग ने संबंधित विभागों से रिपोर्ट तलब करते हुए नियमानुसार जांच और कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इस प्रकरण की अगली सुनवाई 19 मार्च 2026 को निर्धारित की गई है।

विधानसभा से लेकर आयोग तक उठा मुद्दा

विधायक देवेंद्र हंस ने हरियाणा विधानसभा में इस विषय को उठाते हुए कहा था कि ग्रामीणों के स्वास्थ्य और भूजल संरक्षण से जुड़ा यह मामला अत्यंत गंभीर है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। विधानसभा में सवाल उठने के बाद प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई में तेजी आने की बात भी सामने आई है।

जांच के बाद हुई कार्रवाई

मानव अधिकार आयोग के निर्देशों के अनुपालन में प्रदूषण विभाग की टीम ने मौके पर निरीक्षण किया। जांच के बाद कुछ राइस मिलों को सील किया गया, जबकि एक अन्य राइस मिल के विरुद्ध सीलिंग की प्रक्रिया उच्च अधिकारियों की अनुमति के बाद प्रस्तावित बताई गई है।

आधिकारिक कार्यहित में किया गया फेरबदल

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह प्रशासनिक फेरबदल आधिकारिक कार्यहित में किया गया है तथा नए अधिकारी को तत्काल प्रभाव से कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

आगे की कार्रवाई पर टिकी ग्रामीणों की निगाहें

अब क्षेत्रवासियों की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि नए अधिकारी के कार्यभार संभालने के बाद मानव अधिकार आयोग के आदेशों पर कितना प्रभावी अमल होता है, प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों पर क्या ठोस कार्रवाई की जाती है और क्या ग्रामीणों को वास्तव में स्वच्छ पानी, स्वच्छ हवा और सुरक्षित जीवन का अधिकार मिल पाता है। ग्रामीणों का कहना है कि उनका संघर्ष किसी व्यक्ति या संगठन के खिलाफ नहीं, बल्कि कानून और अपने मौलिक अधिकारों के लिए है, जिसे वे हर वैधानिक मंच पर उठाते रहेंगे।

कैथल। मन की बात कार्यक्रम में भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष मुनीष कठवाड का स्वागत करते पदाधिकारी फोटो : हरिभूमि

राष्ट्र निर्माण व समाज कल्याण के लिए प्रेरित करता है मन की बात कार्यक्रम

- मन की बात हमेशा हमें देश के विकास और समाज के कल्याण के लिए प्रेरित करता है
- पीएम कार्यक्रम में किसानों, मज़दूरों सहित सफल लोगों से बातचीत कर रहे हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

चंदाना गेट मंडल के बूथ नंबर 176 में मार्किट कमेटी सदस्य डॉ रामलाल के प्रतिष्ठान पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम मन की बात को सुना गया। जिसमें मुख्यतिथि के रूप से भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष मुनीष कठवाड़ पहुंचे और लोगों के साथ कार्यक्रम को सुना। इस अवसर पर पहले लोगों ने मुनीष कठवाड़ का फूल मालाओं से स्वागत किया। कठवाड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री का कार्यक्रम मन की बात हमेशा हमें देश के विकास और समाज के कल्याण के लिए प्रेरित करता है। हमें प्रधानमंत्री के विचारों को अपने जीवन में उतारने का प्रयास करना चाहिए। देश के विकास में योगदान देना चाहिए।यह कार्यक्रम हमें देश के विकास और समाज के कल्याण के लिए प्रेरित करता है।

उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सबका साथ व सबका विकास की नीति से काम कर रहे हैं। देश से प्रधानमंत्री आतंकवाद को खत्म कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मन की बात कार्यक्रम में किसानों, मज़दूरों सहित सफल लोगों से बातचीत कर रहे हैं। ताकि अन्य लोग भी उनकी प्रेरणा बने। प्रधानमंत्री ने किसानों को मेरी फसल मेरा बीमा योजना, प्रधानमंत्री सम्मान निधि योजना सहित अन्य कई योजनाएं चलाई हुई है। ताकि किसानों को फायदा मिले।हरियाणा प्रदेश में भी मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में सबका साथ सबका विकास हो रहा है। मैरिट के आधार पर नौकरियां दी जा रही है। सभी वर्गों को एक साथ लेकर मुख्यमंत्री चल रहे हैं।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर कैथल मार्किट कमेटी चेयरमैन सतीश शर्मा सिरटा, चंदाना गेट मंडल अध्यक्ष गोपाल सैनी, नगर पार्षद लीलू सैनी, नगर पार्षद राज सैनी, डॉ. रामलाल, शशि सैनी, हर्ष गोयल, मीरा सैनी, भल्ले राम, कर्मबीर, बबलू , लाडी सैनी सहित सैंकड़ो लोग मौजूद रहे।

संविधान के नाम पर विपक्ष ने फैलाया झूठा भ्रम : सुदेश कटारिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ढांड

ढांड। मनोहर लाल खट्टर के मुख्य मीडिया सलाहकार सुदेश कटारिया पत्रकारों से बातचीत करते हुए फोटो : हरिभूमि

केंद्रीय मंत्री एवं हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के मुख्य मीडिया सलाहकार सुदेश कटारिया का शनिवार को पूंडरी विधानसभा क्षेत्र के गांव कौल में भव्य स्वागत किया गया। रोड महासभा के पूर्व वरिष्ठ उप-प्रधान राजकिशन के प्रतिष्ठान पर कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं से कटारिया का अभिनंदन किया। इस अवसर पर 'हमारा संविधान–हमारा स्वाभिमान' जन चेतना अभिमान ट्रस्ट अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुदेश कटारिया ने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले विपक्ष द्वारा यह झूठा प्रचार किया गया कि संविधान और राष्ट्र खतरे में है। इसी दुष्प्रचार के कारण चुनावी परिणाम कहीं-कहीं राष्ट्र और प्रदेश हित के अनुरूप नहीं आए। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष की इस रणनीति में गरीब और दलित समाज का एक वर्ग भ्रमित हुआ, जिससे विपक्ष की चाल सफल रही। कटारिया ने कहा कि इसी कारण अब समाज को सच्चाई से अवगत कराना आवश्यक हो गया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अपने लगभग ग्यारह वर्ष के कार्यकाल में दलित समाज के उत्थान के लिए ऐतिहासिक कार्य किए हैं। कटारिया ने कहा कि 'हमारा संविधान–हमारा स्वाभिमान' अभियान संवैधानिक जागरूकता को जन आंदोलन में बदल रहा है, जो विकसित भारत के सपने को साकार करने में सहायक सिद्ध होगा।

बिरला ओपन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल राजौंद में वार्षिक उत्सव का भव्य आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

राजौंद। कार्यक्रम में भाग लेते हुए विद्यार्थी व विधायक देवेंद्र अत्रि विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

बिरला ओपन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल में वार्षिक उत्सव नवरस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपनी कलात्मक और शैक्षणिक प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देवेंद्र चतर्भुज अत्री विधायक उचाना ने दीप प्रज्वलित कर समारोह की विधिवत शुरुआत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता अमरपाल राणा चेयरमैन द्वारा की गई। इस दौरान स्कूल चेयरमैन वीर करण सिंह राणा ने विद्यार्थियों और अभिभावकों को अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि बच्चों के भीतर छिपे नवरसों और उनकी स्वाभाविक प्रतिभा को निखारना है। उन्होंने कहा कि आज आयोजित इस मंच पर बच्चों का आत्मविश्वास यह दर्शाता है कि बिरला ओपन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल भविष्य के कुशल नागरिक तैयार करने की दिशा में सही कदम बढ़ा रहा है। उन्होंने शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों और अनुशासन के महत्व पर भी विशेष जोर दिया। मैनेजिंग डायरेक्टर दिग्विजय सिंह ने सभी विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान नर्सरी और केजी के बच्चों ने रंग-बिरंगी पोशाकों में नृत्य कर सबका मन मोह लिया। इस दौरान हरियाणवी नृत्य, पंजाबी ग्रुप डांस छात्रों द्वारा महाभारत पर आधारित नाटक की विशेष सराहना की गई। इस दौरान कक्षा तीसरी के छात्रों ने योग के कठिन आसनों का प्रदर्शन किया, वहीं कक्षा नौवीं के छात्रों ने शानदार ड्रिल प्रस्तुत की। इस दौरान शैक्षणिक सत्र 2024-25 में प्रथम,द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों को मुख्य अतिथि और चेयरमैन द्वारा प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। स्कूल प्रिंसिपल शीश पाल द्वारा विद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और सभी आए हुए अतिथियों, अभिभावकों और स्टाफ सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

राजौंद। भंडारे का प्रसाद ग्रहण करते हुए श्रद्धालु व बंसल परिवार के सदस्य सेवा करने पहुंचे।

हवन यज्ञ के साथ लगाया भंडारा

राजौंद। राजौंद के नगर खेड़ा पर हवन यज्ञ के साथ भंडारे का आयोजन किया गया। जहां भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। दादा खेड़ा कमेटी के प्रधान मोहकम राणा व कैरियर धर्मेन्द्र अरोड़ा व अन्य सदस्यों ने बताया कि यह भंडारा राजौद निवासी मांगेराम बंसल जो वर्तमान में नोएडा में रह रहे हैं। उन्होंने अपने परिवार सहित अपने पैतृक गांव में पहुंचकर खेड़े महाराज पर पहले पूजा अर्चना की और उसके बाद यहां भंडारे का आयोजन किया। जिसमें सैकड़ो की संख्या में लोगों ने पहुंचकर दादा खेड़े पर प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान मांगेराम बंसल ने बताया कि उन्होंने अपने पैतृक गांव में भंडारा आयोजित कर बहुत सुकून मिला है। क्योंकि यहां से वह शिक्षा ग्रहण कर पड़ लिखकर बड़े हुए और फिर पैतृक गांव में जब लोगों का प्यार आज भी वैसे ही मिला तो बहुत अच्छा लगा। उन्होंने बताया कि वैसे तो वह नोएडा में भी भंडारे इत्यादि लगाते रहते हैं। लेकिन अपने पैतृक गांव में पहुंचकर जो आनंद व लोगों का प्यार मिला। इससे उन्हें लगा ही नहीं कि वह वर्षो से बाहर रह रहे हैं, यह सारी कृपा नगर खेड़े की है। इस दौरान कैलाश बंसल, राजेंद्र बंसल, रमेश भट्ट,मिल्लो सहित कई अन्य सदस्य मौजूद रहे।

कार्यकर्त्ता एकजुट होकर प्रधानमंत्री के विजन को धरातल पर उतारने में अपनी जिम्मेदारी निभाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

पूंडरी। मन की बात सुनते विधायक सतपाल जाम्बा व अन्य। फोटो : हरिभूमि

पूंडरी कार्यालय में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम 'मन की बात' के 129वें एपिसोड को भाजपा के पदाधिकारियों, मंडल स्तर के कार्यकर्ताओं एवं संगठन से जुड़े साथियों के साथ सामूहिक रूप से सुना गया। इस अवसर पर पूंडरी विधायक सतपाल जाम्बा ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी का संगठन अनुशासन, समर्पण और सेवा भाव की मिसाल है। संगठन की शक्ति ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है, जिसके बल पर भाजपा जन-जन तक सरकार की नीतियों, योजनाओं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेशों को पहुँचाने का कार्य कर रही है। विधायक सतपाल जाम्बा ने कहा कि 'मन की बात' जैसे कार्यक्रम संगठन के माध्यम से बूथ स्तर तक पहुँचते हैं और कार्यकर्ताओं को समाज सेवा, राष्ट्र निर्माण तथा जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने संगठन से जुड़े सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे एकजुट होकर प्रधानमंत्री के विजन को धरातल पर उतारने में अपनी जिम्मेदारी निभाएँ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सामाजिक एकता, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, युवाओं की भूमिका और 'वोकल फॉर लोकल' पर दिए गए संदेश संगठन के माध्यम से जनआंदोलन का रूप ले रहे हैं।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों की मासिक बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सीवन

सेवानिवृत्त कर्मचारियों की मासिक बैठक का आयोजन नंदलाल रहेजा की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में मुख्य वक्ताओं के रूप में जयप्रकाश शास्त्री, लक्ष्मण कामरा, पूरन सिंह तथा बाबूराम गुप्ता उपस्थित रहे। बैठक में बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने भाग लिया और संगठन की आगामी गतिविधियों व मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने जानकारी दी कि अखिल भारतीय सरकारी पेंशनर फेडरेशन का दूसरा राष्ट्रीय सम्मेलन 22 व 23 फरवरी 2026 को कुरुक्षेत्र में आयोजित किया जाएगा। इस राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर के 20 राज्यों से 25 पेंशनर संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। वक्ताओं ने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों से इस ऐतिहासिक सम्मेलन को सफल बनाने के लिए तन-मन-धन से सहयोग करने की अपील की और अधिक से अधिक संख्या में कुरुक्षेत्र पहुंचने का आह्वान किया। वक्ताओं ने सरकार से सेवानिवृत्त कर्मचारियों की लंबित मांगों को शीघ्र पूरा करने की मांग भी उठाई। विशेष रूप से 18 माह से देय महंगाई भत्ता जारी करने की मांग प्रमुखता से रखी गई। इसके साथ ही आठवें वेतन आयोग के सभी लाभ सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भी दिए जाने की जोरदार मांग की गई।

पीएम के विचार देते हैं राष्ट्र निर्माण की दिशाः कमलेश

- प्रधानमंत्री के शब्द में झलकता है राष्ट्र का निर्माण

राजपाल जिंदल ▶▶| कलायत

कलायत विधानसभा के गांव बालू के बूथ संख्या नंबर 110 पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मन की बात कार्यक्रम के प्रसारण से जुड़ते हुए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें पूर्व राज्यमंत्री कमलेश ढांडा ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। आयोजन की अध्यक्षता बालू मंडल अध्यक्ष नरेंद्र सरपंच जुलानी खेड़ा ने की। गांव में पहुंचने पर नरेंद्र जुलानी खेड़ा की अगुवाई में सरपंच-प्रतिनिधियों ने कार्यकर्ता एवं ग्रामीणों के साथ कमलेश ढांडा का अभिनदंन किया। इस दौरान मुख्य रूप से दिनेश बालू, बिन्दर, सज्जन कौलेखां, रणधीर कुराड, जंगीर सिसला, राजेश बालू, पूर्व सरपंच किताब सिंह, फूल सिंह फौजी, अजमेर ढांडा, दिलबाग बालू, जोरा राम ढुल, राजेश जुलानी खेड़ा, कपूरा राम, दीप मोर, शमशेर बालू, बूथ एवं शक्ति केंद्र प्रमुख मौजूद रहे। कमलेश ढांडा ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के विचार केवल शब्द नहीं होते बल्कि वे राष्ट्र निर्माण की दिशा, समाज सेवा की प्रेरणा और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत करते हैं।

हवन | **प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात को सामूहिक रूप से सुना**

पंजाबी वैल्फेयर सभा के प्रधान सुषम कपूर ने संभाला पदभार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। पंजाबी वैल्फेयर सभा के नवनियुक्त प्रधान सुषम कपूर अपने सदस्यों के साथ हवन में आहुति डालते हुए। फोटो : हरिभूमि

पंजाबी वैल्फेयर सभा के नवनियुक्त प्रधान सुषम कपूर ने रविवार को विधिवत रूप से अपने पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया। इस अवसर पर सभा के कार्यालय में पूरे दिन उत्साह, श्रद्धा और संगठनात्मक ऊर्जा का माहौल देखने को मिला। पदभार ग्रहण समारोह की शुरुआत सुबह हवन यज्ञ के साथ हुई, जिसमें सभा के सभी सदस्यों ने आहुति डालकर समाज की सुख-समृद्धि, एकता और कल्याण की कामना की। हवन यज्ञ के पश्चात कुछ समय तक संकीर्तन का आयोजन किया गया। भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय हो गया और उपस्थित सदस्यों ने आध्यात्मिक शांति का अनुभव किया। इसके बाद पंजाबी संस्थाओं के चेयरमैन कैलाश भगत की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' को सामूहिक रूप से सुना गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा सामाजिक सरोकारों, राष्ट्र निर्माण, सेवा और संस्कृति से जुड़े विचारों ने सदस्यों को प्रेरित किया। चेयरमैन कैलाश भगत ने अपने संबोधन में कहा कि 'मन की बात' जैसे कार्यक्रम समाज के हर वर्ग को जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा बार-बार सामाजिक सहभागिता, स्वयंसेवा और राष्ट्र निर्माण में नागरिकों की भूमिका पर जोर दिया जाता है, जो संस्थाओं के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि नई कार्यकारिणी प्रधानमंत्री के विचारों से प्रेरणा लेकर सेवा कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाएगी। इस अवसर पर नवनियुक्त प्रधान सुषम कपूर ने सभा की नई कार्यकारिणी की घोषणा भी की। उन्होंने बताया कि कार्यकारिणी का गठन अनुभव, निष्ठा और समाज सेवा की भावना को ध्यान में रखते हुए किया गया है। सभा के सरपरस्त एवं चेयरमैन के रूप में कैलाश भगत को नियुक्त किया गया है।

जिम्मेवारी सौंपी

वहीं संरक्षक के रूप में इन्द्रजीत सरदाना, तुलसी दास सचदेवा, सुधीर मेहता, कमल आहूजा, राजेन्द्र खुराना, राम किशन डिगानी, नरेन्द्र निझावन, राजकुमार मुखीजा और सतीश राजपाल को शामिल किया गया है। कार्यकारिणी में महासचिव संजय सेतिया, कोषाध्यक्ष, ज्ञान प्रकाश कुमार, संगठन सचिव सुरेन्द्र कत्याल, सचिव रोहित सरदाना, श्याम लाल खेड़ा को सह-कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

खबर संक्षेप

किलाजफरगढ़ पहुंचे अभय चौटाला

जुलाना। जुलाना क्षेत्र के किलाजफरगढ़ गांव में इनेलो के महासचिव अभय सिंह चौटाला पहुंचे। कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए अभय चौटाला ने कहा कि जो लोग भाजपा को जमना पार करने की बात करते थे वो भाजपा की गोद में जाकर बैठ गए। साढ़े चार साल तक जनता को लूटने का काम किया। जनता ने उनकी दुकान बंद कर दी। हुड्डा ने सरकार बनानी थी लेकिन उन्होंने ऐसे लोगो को टिकट दे दी जो नही जीत पाए। उचाना में भी हुड्डा ने कांग्रेस प्रत्याशी को हराया। ऐसे ही नौ हैं जिनको हुड्डा ने हराने का काम किया।

जरूरतमंदों को कंबल व जुराबों का वितरण

नरवाना। भगवती क्लब द्वारा सर्दी के मौसम को देखते हुए जरूरतमंद लोगों की सहायता हेतु कंबल एवं जुराबों का वितरण किया गया। यह सेवा कार्य रविवार को गांधीनगर ढाणी में और ट्रेन में यात्रा कर रहे जरूरतमंद यात्रियों को किया गया। क्लब सदस्यों ने बताया कि समाज सेवा के उद्देश्य से यह कार्य किया गया हैए ताकि ठंड के मौसम में जरूरतमंद लोगों को राहत मिल सके। इस अवसर पर प्रधान अनूप गोयल ए भारत गर्ग संदीप दिनेश गर्ग राकेश गर्ग वरुण गुप्ता क्लब के अनेक पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

दरियापुर मोड तक सड़क का होगा चौड़ीकरण कार्य

जींद। जींद से पानीपत तक सड़क निर्माण परियोजना को नई मंजूरी मिली है। 27 दिसंबर को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई एचपीपीसी बैठक में इस परियोजना के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। हरियाणा के विकास एवं पंचायत तथा खनन मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने बताया कि जींद से पानीपत तक सड़क के नवीनीकरण का कार्य दो चरणों में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जींद से दरियापुर मोड़ तक सड़क के चौड़ीकरण कार्य पर 59 करोड़ 48 लाख रुपये खर्च किए जाएंगें। इस सड़क की दूरी लगभग 50 किलोमीटर की होगी। इसके साथ ही पानीपत से दरियापुर मोड़ तक फोरलेन सड़क के निर्माण पर 53 करोड़ 91 लाख रुपये की राशि की खर्च की जाएगी।

अब बिना ओटीपी के नहीं मिलेगा गैस सिलेंडर

उचाना। अब गैस सिलेंडर लेने वाले उपभोक्ताओं को बिना ओटीपी के गैस सिलेंडर नहीं मिलेगा। गैस सिलेंडर लेने वाले उपभोक्ता को ओटीपी जो मोबाइल नंबर पर आएगा वो देने के बाद ही गैस सिलेंडर दिया जाएगा। उचाना गैस एजेंसी मैनेजर राकेश शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि अब से पहले बिना ओटीपी के गैस सिलेंडर दिए जा रहे थे। अब निर्देश मिलने के बाद बिना ओटीपी के गैस सिलेंडर नहीं दिए जाएंगे। गैस सिलेंडर लेकर आने वाला उपभोक्ता वो मोबाइल साथ में जरूर लेकर आए जो गैस कापी में दर्ज है। जिस भी उपभोक्ता का अब तक मोबाइल नंबर नहीं दर्ज है वो गैस एजेंसी में आकर साथ में ही बिना किसी शुल्क के अपना मोबाइल नंबर दर्ज करवा सकता है। एक साल में एक गैस कॉपी पर 12 गैस सिलेंडर दिए जाते है। शर्मा ने यह जानकारी दी है।

साल के अंत में खुशहालमाजरा का मामला मानव अधिकार आयोग और विस में गूंजा

अलविदा 2025: वर्षभर गूंजता रहा पर्यावरण संरक्षण का मुद्दा

पराली जलाने के मामलों में आई गिरावट लेकिन औद्योगिक इकाइयों ने बिगाड़ी सूरत

सूरज सहारण ⏭कैथल

पर्यावरण प्रदूषण देश के साथ साथ जिले में बड़ी चुनौती उभरा। हालांकि जिले में पराली की घटनाओं में भारी गिरावट देखी गई लेकिन औद्योगिक इकाइयों ने ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की सूरत बिगाडकर रख दी। बता दें कि प्रदूषण के कारण अधिकतर अक्टूबर और नवंबर माह में लोगों को ज्यादा परेशानी होती है। इन दिनों में जिला गैस चैंबर बन जाता है और लोगों का घरों से निकलना भी मुश्किल हो जाता है। एक्यूआइ का स्तर भी 450 तक पहुंच गया था। साल 2024 में आगजनी के 194 लोकेशन मिली थी और 111 किसानों पर केस दर्ज हुए थे। आगजनी में कैथल प्रदेश में दूसरे स्थान पर रहा था। इस बार प्रशासन की सख्ती काम आई और आगजनी के केस भी बहुत कम हुए हैं। साल 2025 में मात्र 11 आगजनी के केस दर्ज हुए हैं। साल भर गांव खुशहाल माजरा के राइस मिल चर्चा में रहे। यहां 50 से ज्यादा मिल हैं और आस पास रहने वाले लोग प्रदूषण से परेशान हैं। वन विभाग ने भी हरियाली बढ़ाने के लिए करीब पांच लाख पौधे लगाए हैं।

> एक्यूआई का स्तर भी 450 तक पहुंच गया था
>
> • 2024 में आगजनी के 194 लोकेशन मिली थी और 111 पर केस

नवंबर माह में 450 तक पहुंचा एयर क्वालिटी इंडेक्स

एक्यूआइ यानी एयर क्वालिटी इंडेक्स सालभर में दो बार ही ज्यादा बढ़ता है। गेहूं की कटाई के समय मार्च और अप्रैल में फसल अवशेषों में आगजनी की जाती है। हालांकि इस दौरान भी एक्यूआइ का स्तर 200 से 300 के बीच ही रहता है। सबसे ज्यादा समस्या अक्टूबर और नवंबर माह में होती है। इस बार नवंबर माह में कैथल जिला गैस चैंबर बन गया था। एक्यूआइ का स्तर 450 तक दर्ज किया गया था जो बहुत ज्यादा खतरनाक स्तर होता है। घर से निकलते ही आंखों में जलन होने लगती है और सांस के रोगियों को ज्यादा परेशानी होती है। इन महीनों में धान अवशेष जलाए जाते हैं और साथ ही दीपावली को लेकर भी आतिशबाजी की जाती है। इनके अलावा जिले का एक्यूआइ सामान्य स्तर पर ही रहता है। सामान्य दिनों में एक्यूआइ 80 से 150 तक ही रहता है।

खुशहाल माजरा में राइस मिलों के चलते हुए दर्जनों बीमार

गांव खुशहाल माजरा के एरिया में करीब 50 राइस मिल हैं। यह मिल आबादी के पास हैं और इनसे निकलने वाले प्रदूषण ने यहां रहने वाले लोगों को जीना मुश्किल कर दिया है। मिल की चिमनियों से विषैला धुंआ निकलता है और कुछ मिल संचालक तो दूषित पानी रिचार्ज बोर की सहायता से जमीन में ही छोड़ रहे हैं। हालांकि प्रदूषण बोर्ड ने तीन राइस मिल संचालकों को सील भी कर दिया था। शहर में आठ कालोनियों से होकर गुजर रही ग्योंग ड्रेन भी मुख्य समस्या रही है। यहां दूषित पानी बहता है और कालोनियों के लोगों को बदबू झेलनी पड़ रही है। हालांकि अगले साल ग्योंग ड्रेन के आधे हिस्से को कवर किया जाएगा। प्रदूषण बढ़ने का एक बड़ा कारण कचरे में आगजनी भी है। साल 2026 में प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती होगी कि किस प्रकार से कचरे में आगजनी को रोका जाए।

लगाए गए करीब पांच लाख पौधे

इस साल जिला वन विभाग की तरफ से करीब पांच लाख पौधे लगाए गए हैं। जिले का वन क्षेत्र भी बढ़ा है। मानसून के बाद पौधे लगाने का अभियान शुरू कर दिया गया था। ये पौधे वन विभाग की अलग-अलग नर्सरी में तैयार किए गए थे। अलग-अलग स्कीम के तहत ये पौधे लगाए गए। इस बार मुख्य रूप से 120 हेक्टेयर में सफेदे लगाए गए। एक हेक्टेयर में 1100 सफेदे लगे हैं। करीब 150 हेक्टेयर एरिया में सड़कों की साइड में पौधे लगाए गए। एक हेक्टेयर में 500 पौधे लगे। करीब दस हजार पौधे स्कूलों की सहायता से लगाए गए हैं।

बदला क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी

बता दें कि दिसंबर में गांव खुशहाल माजरा में हवा व पानी दूषित होने के कारण करीब डेढ दर्जन व्यक्ति बीमारी की चपेट में आए गए थे। इसे लेकर जहां यह मामला मानवाधिकार आयोग में गूंजा तो वहीं इसे विधायक देवेंद्र हंस ने विधानसभा में उठाया। इस पर कडा संज्ञान लेते हुए हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने कैथल के क्षेत्रीय अधिकारी राजेंद्र शर्मा को उनके पद से मुक्त करते हुए प्रवीण कुमार को कैथल क्षेत्र का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।

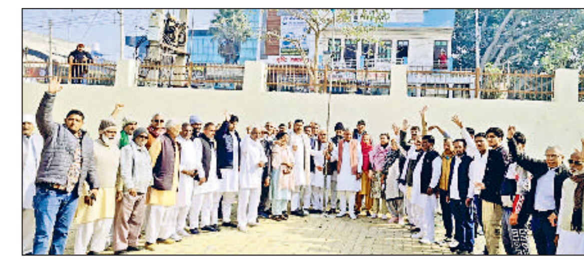

जींद। कांग्रेस पार्टी का स्थापना दिवस मनाते हुए कार्यकर्ता। फोटो: हरिभूमि

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मनाया पार्टी का स्थापना दिवस

- नए साल से नए संकल्प के साथ उठाएंगे जनता की आवाज : रिषपाल हैबतपुर

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

जिला कांग्रेस कार्यालय में रविवार को कांग्रेस पार्टी के स्थापना दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस जिला प्रधान रिषिपाल हैबतपुर ने की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत पार्टी के ध्वज फहराने और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी सहित स्वतंत्रता आंदोलन के महान नेताओं को स्मरण करते हुए की गई। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिला प्रधान रिषिपाल हैबतपुर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी देश की सबसे पुरानी और जन आधारित पार्टी है। जिसका इतिहास बलिदान, संघर्ष और राष्ट्र निर्माण से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने स्वतंत्रता आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाई और हजारों नेताओं व कार्यकर्ताओं ने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। आजादी के बाद भी कांग्रेस ने लोकतंत्र को मजबूत करनेए सामाजिक न्याय स्थापित करने और देश के विकास की नींव रखने का काम किया। नए वर्ष के आगमन को लेकर रिषिपाल हैबतपुर ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता नए साल से नए संकल्प के साथ जनता की आवाज उठाएंगे और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करेंगे। कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

कई योजनाएं शुरू की

रिषिपाल हैबतपुर ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और वर्तमान नेतृत्व तक कांग्रेस ने हमेशा आम आदमी के हितों को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पंचायती राज, हरित क्रांति और सूचना क्रांति जैसी ऐतिहासिक उपलब्धियां कांग्रेस शासन की देन हैं। मनरेगा, सूचना का अधिकार और खाद्य सुरक्षा जैसे कानूनों ने गरीब, किसान और मजदूर वर्ग को मजबूती प्रदान की। जिला प्रधान रिषिपाल हैबतपुर ने कार्यकर्ताओं से पार्टी नेतृत्व द्वारा शुरू किए गए मनरेगा बचाओ अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मौजूदा भाजपा सरकार की नीतियों से गरीब और मजदूर वर्ग पर संकट बढ़ा है और मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजना को कमजोर करने की कोशिशें की जा रही हैं।

वेदांता स्कूल में छात्राओं के स्वास्थ्य एवं जागरूकता परामर्श सत्र आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

वेदांता इंटरनेशनल स्कूल कलौदा खुर्द में कक्षा 9वीं से 12वीं की छात्राओं के शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक स्वास्थ्य एवं जागरूकता परामर्श सत्र का आयोजन किया गया।

इस सत्र में किशोरावस्था से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की प्रधानाचार्या वीणा डारा द्वारा किया गया।

उन्होंने किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक एवं मानसिक परिवर्तनों पर प्रकाश डाला।

जींद। कार्यक्रम में भाग लेते हुए बच्चे। फोटो: हरिभूमि

स्वास्थ्य जानकारी दी: *उन्होंने सोशल मीडिया जागरूकता, साइबर सुरक्षा तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के शैक्षणिक एवं जिम्मेदार उपयोग पर भी जानकारी दी। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक इंजीनियर प्रदीप नैन विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि किशोरावस्था में सही स्वास्थ्य जानकारी और परामर्श छात्राओं को शारीरिक रूप से मजबूत एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाता है। उन्होंने विद्यालय की इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम में विद्यालय की जीवविज्ञान शिक्षिका अनु दहिया ने छात्राओं को मासिक धर्म स्वच्छता एवं एनीमिया रक्ताल्पता विषय पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने मासिक धर्म को एक प्राकृतिक प्रक्रिया बताते हुए स्वच्छता बनाए रखने, सही सैनिटरी उत्पादों के उपयोग एवं संक्रमण से बचाव के उपाय समझाए।*

आर्ट इंटीग्रेशन वर्कशॉप का भव्य शुभारंभ

- मां सरस्वती के आशीर्वाद से शिक्षकों ने अपनाया एनईपी 2020 का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

कैथल। एक दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला के दौरान जाट हाई स्कूल समिति के पदाधिकारी।

ज्ञान की देवी मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ जाट शाइनिंग पब्लिक स्कूल, कैथल में 'आर्ट इंटीग्रेशन इन हाउस सीबीपी' पर एक दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला का भव्य शुभारंभ हुआ। रविवार को आयोजित इस वर्कशॉप में स्कूल के 40 से अधिक शिक्षकों ने भाग लिया, जहां कला एकीकरण के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप छात्रों को रचनात्मक, समग्र और आनंदपूर्ण शिक्षा प्रदान करने पर गहन विचार-विमर्श किया गया। विभिन्न गतिविधियों, हैंड्स-ऑन सेशनों और समूह चर्चाओं के माध्यम से शिक्षकों ने व्यावहारिक कौशल अर्जित किए। प्रख्यात रिसोर्स पर्सन मिस्टर साहिल तनेजा ने अपनी विशेषज्ञता से शिक्षकों को आर्ट इंटीग्रेशन की उन्नत तकनीकों, विषयों के साथ कला के एकीकरण तथा छात्रों की रुचि बढ़ाने वाली विधियों पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि कला के माध्यम से शिक्षा को जीवंत बनाना ही भविष्य की मांग है, जो छात्रों के संज्ञानात्मक और भावनात्मक विकास को दोगुना कर देगा।/"प्रधानाचार्य मिस्टर पंकज गुप्ता ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा, आर्ट इंटीग्रेशन के माध्यम से हम छात्रों के सीखने को रोचक, समग्र और स्थायी बना सकते हैं।

मौजूद रहे

समिति पूर्ण सहयोग के लिए कटिबद्ध है।/"कार्यक्रम में जाट हाई स्कूल समिति के उप प्रधान बलजिंदर बनवाला, सचिव एडवोकेट रश्मि ढुल, कोषाध्यक्ष बलकार नैन, जसवीर, सत्यवान माजरा, राजपाल, सन्नी, स्वतंत्र पाल, दलबीर, विक्रम, महावीर कुंडू, महावीर रावीश और रजत रापड़िया सहित सभी कार्यकारिणी सदस्यों की गरिमापूर्ण उपस्थिति रही।

नशे से रहे दूर, ट्रैफिक नियमों की करें पालना: रामबीर

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

थाना तितरम के एसएचओ एसआई रामबीर के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा गांव हरसोला में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीम ने ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। एसएचओ एसआई रामबीर ने बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार और समाज की नींव को भी कमजोर करता है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल और सकारात्मक गतिविधियों की ओर ध्यान दें तथा नशा करने या बेचने वालों की सूचना पुलिस को दें।

> • गांव हरसोला में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कैथल। थाना तितरम के एसएचओ एसआई रामबीर ग्रामीणों को जागरूक करते हुए। फोटो: हरिभूमि

बूथ 165 पर सुनी मन की बात

- प्रधानमंत्री ने विकसित भारत के संकल्प को दोहराया

हरिभूमि न्यूज ⏭सीवन

भारतीय जनता पार्टी की जिला उपाध्यक्ष शैली मुंजाल तथा मार्केट कमेटी सीवन के वाइस चेयरमैन विक्रम मुंजाल ने बूथ नंबर 165 पर कार्यकर्ताओं व स्थानीय नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष कार्यक्रम 'मन की बात' का सीधा प्रसारण सुना। इस अवसर पर बूथ स्तर के कार्यकर्ता, वरिष्ठ नागरिक और युवा मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी ने प्रधानमंत्री के विचारों को ध्यानपूर्वक सुना और देशहित में प्रेरणादायी संदेशों पर चर्चा की। कार्यक्रम के उपरांत शैली मुंजाल और विक्रम मुंजाल ने कहा कि 'मन की बात' केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देशवासियों को जोड़ने वाला संवाद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आम जन की भागीदारी, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर निरंतर मार्गदर्शन देते हैं।

सीवन। सीवन में मन की बात का प्रसारण देखते भाजपा नेता। फोटो: हरिभूमि

सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन का आह्वान

संयुक्त बयान में कहा गया कि आज के मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने विकसित भारत के संकल्प को दोहराते हुए नागरिकों से सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन का आह्वान किया। उन्होंने स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय उत्पादों को अपनाने, युवाओं की भागीदारी और महिलाओं के सशक्तिकरण जैसे विषयों पर प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किए।

आत्महत्या के लिए मजबूर करने के 2 आरोपी काबू

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

पूंडरी क्षेत्र में एक व्यक्ति को आत्महत्या के लिए मजबूर करने के मामले की जांच सीआईए-1 पुलिस प्रभारी एसआई जसवंत की अगुवाई में एएसआई रघुबीर सिंह की टीम द्वारा करते हुए आरोपी पूंडरी निवासी राजन व अमनदीप को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की गुरुदेव बहादुर कॉलोनी, कैथल निवासी कृष्ण लाल की शिकायत अनुसार उसका साला पवन कुमार निवासी गांव फतेहपुर, गांव में करियाणा की दुकान चलाता था। पवन कुमार ने अपनी आर्थिक जरूरतों के चलते विभिन्न फाइनेंसरों से ब्याज पर काफी धनराशि उधार ली थी। कुछ राशि उसने वापस कर दी थी, जबकि शेष राशि वह चुकाने में असमर्थ रहा। शिकायतकर्ता के अनुसार फाइनेंसर विजय निवासी बरसाना, प्रतीक निवासी पुंडरी, अमन खुराना, राजन निवासी पुंडरी, विजय वर्मा निवासी पुंडरी सहित अन्य लोगों द्वारा पवन कुमार पर लगातार पैसे लौटाने का नाजायज दबाव बनाया।

सीआईए–1 पुलिस गिरफ्त में दोनों आरोपी

मन की बात टिफिन के साथ कार्यक्रम में दिखी संगठनात्मक एकजुटता

सीवन। प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का 129वां एपिसोड मन की बात टिफिन के साथ अभियान के अंतर्गत जिला कैथल के गुहला हल्का के गांव डोहर में हनुमान मंदिर में भव्य रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, किसान और ग्रामीण शामिल हुए। सभी ने एक साथ टिफिन के साथ भोजन कर सामाजिक समरसता और संगठनात्मक एकजुटता का संदेश दिया। कार्यक्रम में भाजपा की जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं, जबकि किसान मोर्चा के जिला सह प्रभारी सज्जन अत्री ने मुख्य वक्ता के रूप में कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष संजय सैनी ने की।

दिक्कत — एक से 15 जनवरी तक रहेंगी बच्चों की छुट्टियां

छुट्टियों के चलते ट्रेनों में बढ़ी वेटिंग, जींद से जम्मू-कटरा और पंजाब की ओर जाने वाली ट्रेनों में नहीं मिल पा रही सीटें

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

आगामी एक जनवरी से लेकर 15 जनवरी तक शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों की सर्दियों की छुट्टियां रहने की घोषणा की गई है। ऐसे में अभिभावक अपने बच्चों के साथ धार्मिक व अन्य पर्यटन स्थल पर जाने की योजना बना रहे हैं। इस कारण जींद से जम्मू-कटरा और पंजाब की ओर जाने वाली ट्रेनों में सीट नहीं मिल पा रही हैं। इस समय ट्रेनों में वेटिंग चल रही है। ट्रेन नंबर 11449 जबलपुर श्री माता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस में स्लीपर व थ्री एसी में वेटिंग रद्द हो गई है। ट्रेन नंबर 16787 तिरुनेलवेली श्री माता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस, ट्रेन नंबर 16031 अंडमान एक्सप्रेस व ट्रेन नंबर 19803 कोटा एक्सप्रेस व 16317 हिमसागर एक्सप्रेस में में भी स्लीपर व थ्री एसी में यात्रियों के लिए सीट उपलब्ध नही है। ट्रेन नंबर 12138 पंजाब मेल में स्लीपर में 41 व थ्री एसी में 35 की वेटिंग चल रही है। ट्रेन नंबर 11449 जबलपुर श्री माता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस रात 12 बजे जबलपुर से चलती है, जो ग्वालियर, आगरा, मथुरा, फरीदाबाद, नई दिल्ली व रोहतक होते हुए रात सवा 11 बजे जींद पहुंचती है।

जींद। जींद जंक्शन पर खड़ी रेलगाड़ी। फोटो: हरिभूमि

छुट्टियों के चलते वेटिंग : धीरज

रेलवे रिजर्वेशन विंडो अधिकारी धीरज ने बताया कि छुट्टियों के बाद वेटिंग को लेकर स्थिति सामान्य हो सकती है। फिलहाल अभी एक जनवरी से बच्चों की छुट्टियां शुरू हो रही है तो ऐसे में धार्मिक व पर्यटन स्थल पर जाने वाले ट्रेनों में वेटिंग चल रही है।

ये ट्रेनें गुजरती हैं

16317 हिमसागर एक्सप्रेस सवा दो बजे कन्याकुमारी से चलकर त्रिवेंद्रम, कोलम, सेलम, चित्तौड़, तिरुपति, ग्वालियर होते हुए रात सवा 11 बजे जींद पहुंचती है। ट्रेन धुरी, लुधियाना, जम्मू तवी होते हुए श्री माता वैष्णोदेवी कटरा पहुंचती है। ट्रेन नंबर 12138 पंजाब मेल रात नौ बजकर 55 मिनट पर फिरोजपुर कैंट से चल कर फरीदकसेट, बठिंडा होते हुए टोहाना व नरवाना के रास्ते अढाई बजे जींद पहुंचती है। यहां दो मिनट ठहराव के बाद ट्रेन फरीदाबाद, मथुरा, ललितपुर होते हुए मुंबई जाती है।